# Indhold.


| Nr. | | Side |
|---|---|---|
| 67. | Aanden opgav Enkesønnen | 37 |
| 140. | Aand over Aander | 76 |
| 32. | Aleneste Gud i Himmerig | 19 |
| 160. | Alle Vegne, hvor jeg vanker | 84 |
| 171. | Alt, hvad som Fuglevinger fik | 89 |
| 168. | Altid frejdig, naar du gaar Veje | 88 |
| 172. | Alting tjener dem til gode | 89 |
| 169. | Alt staar i Guds Faderhaand | 88 |
| 224. | Amen raabe hver en Tunge | 116 |
| 105. | Apostlerne sad i Jerusalem | 57 |
| 157. | At sige Verden ret Farvel | 82 |
| 203. | Barnelivets favre Dage | 105 |
| 197. | Beder, og I skulle faa | 103 |
| 28. | Befal du dine Veje | 18 |
| 183. | Bliv hos mig kære Herre Krist | 95 |
| 92. | Bliv hos os Mester | 51 |
| 40. | Blomstre som en Rosengaard | 23 |
| 208. | Bryd frem, mit Hjertes Trang at lindre | 108 |
| 13. | Dagen gaar med raske Fjed | 8 |
| 64. | Dejlig er den Himmel blaa | 36 |
| 51. | Dejlig er Jorden | 29 |
| 5. | Den mørke Nat forgangen er | 5 |
| 141. | Denne er Dagen | 76 |
| 139. | Den signede Dag | 76 |
| 167. | Den store, hvide Flok vi se | 87 |
| 185. | Den store Mester kommer | 96 |
| 46. | Den yndigste Rose er funden | 26 |

| Nr. | | Side |
|---|---|---|
| 223. | Det er saa yndigt at følges ad, hvor | 116 |
| 50. | Det kimer nu til Julefest | 28 |
| 192. | Det koster ej for megen Strid | 100 |
| 189. | Dig vil jeg elske | 98 |
| 180. | Din Kærlighed, o Frelser, os forene | 93 |
| 96. | Drag, Jesu, mig | 53 |
| 200. | Drag ud, hver Kristensjæl paa Jord | 104 |
| 39. | Du Herre Krist | 22 |
| 204. | Du som Vejen er og Livet | 106 |
| 149. | Dybe, stille, stærke, milde | 80 |
| 17. | Dybt helder Aaret | 10 |
| 161. | Eja, min Sjæl | 84 |
| 158. | Er Livet alt lifligt her neden | 83 |
| 212. | Est du modfalden kære Ven | 110 |
| 53. | Et Barn er født i Betlehem | 30 |
| 62. | Et helligt Liv, en salig Død | 34 |
| 186. | Et Kors det var | 96 |
| 59. | Et lidet Barn saa lysteligt | 32 |
| 207. | Et Suk igennem Verden gaar | 108 |
| 198. | Falder paa dig Modgangs Hede | 103 |
| 210. | Far, Verden, far vel | 108 |
| 221. | For dig, o Herre | 115 |
| 104. | Fra Himlen kom den Helligaand | 57 |
| 182. | Frelseren er mig en Hyrde god | 94 |
| 73. | Fryd dig, du Kristi Brud | 41 |
| 77. | Følger med til Urtegaarden | 44 |
| 216. | Gaar det, Herre, som jeg vil | 113 |
| 76. | Gak under Jesu Kors at staa | 43 |
| 16. | Gak ud, min Sjæl | 9 |
| 225. | Giv mig, Gud, en Salmetunge | 117 |
| 54. | Glade Jul, dejlige Jul | 30 |
| 19. | Gud, du fra dine | 11 |
| 115. | Gud Helligaand i Tro os lær | 63 |
| 184. | Guds Fred er mer end Englevagt | 95 |
| 21. | Guds Godhed vil vi prise | 12 |





| Nr. | | Side |
|---|---|---|
| 127. | Guds-Husets Dør er i vor Daab | 70 |
| 26. | Gud skal alting mage | 15 |
| 142. | Guds Menighed, syng for vor Skaber | 77 |
| 199. | Guds Ord det er vort Arvegods | 104 |
| 72. | Gør Døren høj, gør Porten vid | 41 |
| 31. | Han, som har hjulpet hidindtil | 18 |
| 206. | Han, som paa Jorden bejler | 107 |
| 214. | Har Haand du lagt paa Herrens Plov | 112 |
| 111. | Helligaanden trindt paa Jord | 60 |
| 49. | Her komme, Jesus, dine smaa | 24 |
| 132. | Herre, hvor skal vi gaa hen | 72 |
| 146. | Herre Jesus, kom at at røre | 78 |
| 124. | Herren han har besøgt sit Folk | 68 |
| 176. | Herrens Røst, som aldrig brister | 91 |
| 125. | Herren strækker ud sin Arm | 69 |
| 166. | Herrens Venner ingen Sinde | 87 |
| 211. | Her vil ties, her vil bies | 110 |
| 81. | Hil dig Frelser og Forsoner | 46 |
| 138. | Himlen aabnes, Mørket svinder | 75 |
| 57. | Himlens Morgenrøde | 32 |
| 48. | Hjerte, løft din Glædes Vinge | 27 |
| 68. | Hvad er det for en Snekke | 38 |
| 35. | Hvert et Lys i Livets Nat | 21 |
| 218. | Hvor blev Guds Jord et dejligt Sted | 113 |
| 173. | Hvordan takke vi vor Herre | 90 |
| 30. | Hvor Gud mig fører, gaar jeg glad | 17 |
| 181. | Hvor salig er den lille Flok | 94 |
| 143. | Hyggelig, rolig | 77 |
| 114. | I al sin Glans nu straaler Solen | 63 |
| 60. | I denne søde Juletid | 33 |
| 66. | I Gud jeg vil mig glæde | 37 |
| 103. | I Jesu Navn | 56 |
| 65. | I Nazaret i trange Kaar | 36 |
| 1. | I Østen stiger Solen op | 1 |
| 11. | Jeg er træt og gaar til Ro | 8 |

| Nr. | | Side |
|---|---|---|
| 195. | Jeg gaar i Fare | 102 |
| 128. | Jeg kommer, Herre, paa dit Ord | 70 |
| 159. | Jeg lever og ved | 84 |
| 148. | Jeg ved et lille Himmerig | 79 |
| 191. | Jeg ved, paa hvem jeg bygger | 99 |
| 79. | Jesus, dine dybe Vunder | 45 |
| 133. | Jesus, din søde Forening at smage | 72 |
| 78. | Jesus er mit Liv i Live | 45 |
| 38. | Jesus er Navnet mageløst | 22 |
| 102. | Jesus, Frelser og Befrier | 56 |
| 179. | Jesus han er Syndres Ven | 93 |
| 95. | Jesus himmelfaren | 53 |
| 80. | Jesus, jeg dit Kors vil holde | 46 |
| 55. | Julen har bragt velsignet Bud | 31 |
| 58. | Julen har Englelyd | 32 |
| 174. | Kender du den Livsens Kilde | 91 |
| 52. | Kimer, I Klokker | 29 |
| 14. | Kirkeklokke, ej til Hovedstæder | 9 |
| 118. | Kirken den er et gammelt Hus | 64 |
| 119. | Kirken er som Himmerige | 65 |
| 154. | Klokken slaar | 81 |
| 209. | Klynke og klage | 108 |
| 116. | Kom, Gud Helligaand | 63 |
| 117. | Kom, Regn af det høje | 64 |
| 110. | Kom, Sandheds Aand | 60 |
| 109. | Kraften fra det høje | 60 |
| 86. | Krist stod op af Døde | 48 |
| 69. | Kvindelil, din Tro er stor | 39 |
| 217. | Kærlighed er Lysets Kilde | 113 |
| 175. | Kærlighed fra Gud | 91 |
| 107. | Kærligheds og Sandheds Aand | 58 |
| 25. | Lille Guds Barn | 14 |
| 23. | Lover den Herre, den mægtige Konge | 13 |
| 145. | Lover Herren! Han er nær | 78 |
| 43. | Lovet være du Jesus Krist | 24 |
| 93. | Luk Øjne op, al Kristenhed | 52 |





| Nr. | | Side |
|---|---|---|
| 222. | Lyksalig, lyksalig | 115 |
| 163. | Lær mig, o Skov | 85 |
| 205. | Løgnens Fader vi forsage | 106 |
| 75. | Med Spottens Rør i fromme Hænder | 42 |
| 70. | Med Straalekrans om Tinde | 39 |
| 120. | Midt iblandt os er Guds Rige | 66 |
| 130. | Mindes vi en fuldtro Ven | 71 |
| 83. | Min Jesus, lad mit Hjerte faa | 47 |
| 202. | Min Mund og mit Hjerte | 105 |
| 44. | Min Sol, min Lyst, min Glæde | 25 |
| 47. | Mit Hjerte altid vanker | 26 |
| 4. | Morgenstund har Guld i Mund | 4 |
| 98. | Mægtigste Kriste | 54 |
| 129. | Mæt min Sjæl, o Jesus sød | 70 |
| 164. | Naar min Tunge ikke mere | 86 |
| 8. | Nat, Søvn og Slum og Seng far vel | 7 |
| 108. | Naturen holder Pinsefest | 59 |
| 106. | Nu bede vi den Helligaand | 58 |
| 18. | Nu falmer Skoven | 11 |
| 10. | Nu hviler Mark og Enge | 7 |
| 41. | Nu kom der Bud fra Englekor | 23 |
| 9. | Nu lukker sig mit Øje | 7 |
| 6. | Nu rinder Solen op | 5 |
| 136. | Nu ringer alle Klokker mod Sky | 74 |
| 15. | Nu skrider Dagen under | 9 |
| 29. | Nu takker alle Gud | 17 |
| 3. | Nu titte til hinanden | 4 |
| 2. | Nu vaagne alle Guds Fugle smaa | 3 |
| 82. | O du Guds Lam | 47 |
| 190. | O du min Immanuel | 99 |
| 219. | O gode Gud, jeg takker dig | 114 |
| 36. | O gode Gud, vi takke dig | 21 |
| 165. | O Gud ske Lov, det hjemad gaar | 86 |
| 153. | O Gud ske Lov for Naadens Ord | 81 |
| 27. | O, havde jeg dog tusind Tunger | 16 |

| Nr. | | Side |
|---|---|---|
| 178. | O Herre god og Frelser from | 93 |
| 134. | O Jesus, søde Jesus, dig | 73 |
| 194. | O Kristelighed | 101 |
| 126. | O lad din Aand nu med os være | 69 |
| 24. | Op al den Ting som Gud har gjort | 14 |
| 123. | Op alle Folk paa denne Jord | 68 |
| 193. | Op dog Zion | 100 |
| 42. | Op, glædes alle, glædes nu | 24 |
| 188. | Op I Kristne, ruster eder | 97 |
| 90. | Opstanden er den Herre Krist | 50 |
| 74. | Over Kedron Jesus træder | 42 |
| 34. | Paa Gud alene | 20 |
| 122. | Paa Jerusalem det ny | 67 |
| 101. | Rejs op dit Hoved | 55 |
| 155. | Saa vil vi nu sige hverandre Farvel | 81 |
| 99. | Sin Vogn gør han af Skyer blaa | 52 |
| 84. | Skriv dig, Jesus, paa mit Hjerte | 48 |
| 88. | Som den gyldne Sol frembryder | 79 |
| 162. | Som Dug paa slagne Enge | 85 |
| 89. | Som Foraarssolen morgenrød | 50 |
| 150. | Som Hønen klukker mindelig | 80 |
| 33. | Sorrig og Glæde de vandre til Hobe | 19 |
| 12. | Sov nu, mit Barn | 8 |
| 220. | Sov sødt, Barnlille | 114 |
| 91. | Stat op, min Sjæl | 51 |
| 97. | Stiftet Guds Søn har paa Jorden | 53 |
| 196. | Stol du kun paa dit Fadervor | 102 |
| 37. | Søde Gud, din Engleskare | 22 |
| 45. | Søde Jesus, Davids Rod | 26 |
| 85. | Søde Jesus, giv mig Naade | 48 |
| 144. | Søde Jesus, vi er her | 78 |
| 135. | Søndag er vor Herres Dag | 74 |
| 137. | Søndag Morgen fra de døde | 75 |
| 87. | Tag det sorte Kors fra Graven | 48 |
| 152. | Tak for al din Fødsels Glæde | 81 |





| Nr. | | Side |
|---|---|---|
| 113. | Talsmand som paa Jorderige | 62 |
| 22. | Til Himlene rækker din Miskundhed | 13 |
| 94. | Til Himmels fo'r den Ærens Drot | 52 |
| 201. | Trods Længselens Smerte | 105 |
| 156. | Tænk, naar engang | 81 |
| 213. | Uforsagt, hvordan min Lykke | 111 |
| 187. | Uforsagt, vær paa Vagt | 97 |
| 177. | Under dine Vingers Skygge | 92 |
| 7. | Vaagn op og slaa paa dine Strenge | 6 |
| 112. | Var I ikke Galilæer | 61 |
| 56. | Velkommen igen Guds Engle smaa | 31 |
| 151. | Velsignelse, al Jordens Tarv | 83 |
| 61. | Venner, sagde Guds Engel blidt | 34 |
| 147. | Verdens Børn har mangt et Sted | 79 |
| 121. | Vidunderligst af alt paa Jord | 67 |
| 170. | Vi tro, vi alle tro paa Gud | 88 |
| 100. | Vor Gud han er saa fast en Borg | 54 |
| 63. | Vor Herre han er en Konge stor | 35 |
| 131. | Vor Herres Jesu Mindefest | 71 |
| 215. | Vor Tro er den Forvisning paa | 112 |
| 20. | Vær velkommen, Herrens Aar | 12 |
| 71. | Øjne, I var lykkelige | 40 |